भ्रमण रिपोर्ट

जनपद– बांदा

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डा0 राजेश झा, महाप्रबन्धक सी0पी0, अरविन्द कुमार त्रिपाठी, सलाहकार आई0ई0सी0 एवं दिनेश पाल सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, एन0एच0एम0 द्वारा जनपद बांदा की स्वास्थ्य इकाइयों का भ्रमण दिनांक 06 व 07 जनवरी 2015 को किया गया है। बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिन्दवारी:
   - रोगी कल्याण समिति के अन्तर्गत अनटाइड ग्रान्ट की धनराशि एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत अवमुक्त की गयी धनराशि का उपयोग गाइडलाइन के अनुसार स्वास्थ्य इकाई के स्तर पर ही किये जाने का सुझाव प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिया गया। उक्त मदों में अवमुक्त धनराशि का उपयोग स्वास्थ्य इकाइयों के ही स्तर पर सुनिश्चित कराये जाने का सुझाव मुख्य चिकित्साधिकारी को भी दिया गया।
   - राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सकीय टीम के क्षेत्र में भ्रमण हेतु टाटा मैजिक नामक वाहन का उपयोग किया जा रहा है जोकि मानकानुसार नहीं था। सुझाव दिया गया कि इस मद में उपलब्ध धनराशि के आधार पर गाइडलाइन के अनुसार टीम को भ्रमण हेतु वाहन उपलब्ध कराया जाय।
   - राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सकीय टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान एक्सपायरी डेट की नजदीक की दवा प्रयोग में लायी जा रही थी। B.No. S753243, MFG 02/2013, EXP. 01/2015 की एबेन्डाजॉल टेबलेट में वितरित की जा रही थी। सुझाव दिया गया कि एक्सपायरी डेट की नजदीक वाली दवाओं का वितरण सावधानी पूर्वक किया जाय।
   - प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले नये प्रा0स्वा0केन्द्र0 पैलानी के भवन का उपयोग तहसील कार्यालय हेतु किया जा रहा है जिससे प्रदान की जाने स्वास्थ्य सेवायें बाधित हो रही हैं। सुझाव दिया गया कि जनपद स्तर पर सक्षम अधिकारियों के समक्ष इस प्रकरण को उठाते हुए समुचित समाधान प्राप्त करने हेतु कार्यवाही की जाय।
   - प्रा0स्वा0केन्द्र में रेडियंट वार्मर खराब था। सुधार कराये जाने हेतु सुझाव दिया गया।
   - ड्रग स्टोर में उपलब्ध दवाओं का स्टाक रजिस्टर एवं एक्सपायरी दवाओं का दस्तावेज अपूर्ण था जिसे अद्यतन बनाये जाने हेतु सुझाव दिया गया।

2. जिला महिला अस्पताल बांदाः

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों का प्रदान किये जा रहे चेक का वितरण अद्यतन नहीं था। तीन महीने पुराने भरे हुए हस्ताक्षरित चेक पाये गये जो वितरित नहीं किये गये थे। प्रसव के उपरांत लाभार्थी को अस्पताल से जाते समय ही चेक प्रदान करने की व्यवस्था लागू किये जाने का सुझाव दिया गये।
- वेस्ट डिस्पोजल की व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। गड्ढे में कचरा डाला जा रहा था।
- ईडीएल का दीवाल लेखन नहीं कराया गया था एवं सिटीजन चार्ट का दीवाल लेखन सही जगह पर नहीं कराया गया था। सही जगह पर दीवाल लेखन हेतु सुझाव दिया गया।
- एस0एन0सी0यू0 मे सेन्ट्रलाइज्ड आक्सीजन सप्लाई नहीं थी। कराये जाने की आवश्यकता है।

3. जिला पुरुष अस्पताल बांदाः

- जिला पुरुष अस्पताल में 27 के सापेक्ष 21 चिकित्सक कार्यरत थे एवं 19 के सापेक्ष 10 स्टाफ नर्स कार्यरत थीं।
- ब्लड बैंक में मात्र 01 संविदा एल0टी0 तैनात है।

4. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अतर्राः

- अस्पताल परिसर में कराये गये दीवाल लेखन में चिकित्सा अधिकारियों एवं जिला अधिकारी के मोबाइल नं0 आदि टेम्पर्ड/गलत लिखे गये थे। सही मोबाइल नम्बर अंकित कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- ईडीएल अपडेट नहीं थी एंव सिटीजन चार्टर अंकित नहीं था। कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- डाट्स कार्यक्रम के अन्तर्गत मरीजों को दवा दिये जाने का विवरण कार्ड पर अंकित नहीं किया जा रहा था। सम्बन्धित स्टाफ से मरीजों का रजिस्टर मांगे जाने पर नहीं प्रस्तुत किया गया। सुधार किये जाने का अनुरोध किया गया।
- पैथालोजी में हीमोग्लोबिन जॉच रजिस्टर पर एन0एन0सी0 एवं पी0एन0सी0 का विवरण नहीं दर्ज किया जा रहा था। सुधार हेतु सुझाव दिया गया।
- डेन्टल चेयर अस्पताल में आने के बाद आज तक उपयोग में नहीं लायी गयी जबकि 02 दन्त चिकित्सक कार्यरत हैं। एम0ओ0आई0सी0 द्वारा अवगत कराया गया

कि इन्सटालेशन की समस्या है। मशीन इन्सटाल कराकर मरीजों को सेवा प्रदान किये जाने का सुझाव दिया गया।

5. उपकेन्द्र नेवादा:
    - उपकेन्द्र में विद्युत कनेक्शन नहीं था। ए0एन0एम0 ने अवगत कराया कि तार कटा हुआ है। विद्युत सप्लाई सही कराये जाने का सुझाव दिया गया।
    - उपकेन्द्र में हीमोग्लोबिन जॉच किट, ब्लड सुगर टेस्टिंग किट, न्यूनेटल अम्बु बैग एवं आर.बी.एस.के पिक्टोरियल टूल किट, प्रेग्नेंसी टेस्ट टूल किट उपलब्ध नहीं थे। उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने का सुझाव दिया गया।
    - अन्टाइड ग्रान्ट के अभिलेख मांगे जाने पर उपलब्ध नहीं कराये गये।
    - उपकेन्द्र में सिटीजन चार्टर का दीवाल लेखन नहीं था। दीवाल लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
6. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बांदा:
    - नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयुष महिला चिकित्साधिकारी तैनात थी जबकि गाइडलाइन के अनुसार एम0बी0बी0एस चिकित्साधिकारी की संविदा पर नियुक्ति की जानी है। गाइडलाइन के अनुसार कार्यवाही किये जाने का सुझाव दिया गया।

(दिनेशपाल सिंह)
पी.सी.
एन.यू.एच.एम

अरविन्द त्रिपाठी
(अरविन्द त्रिपाठी)
परामर्शदाता

(डा० राजेश झा,)
महाप्रबन्धक
कम्यूनिटी प्रोसेस